

(b) if so, by when the scheme is likely to be implemented and what would be the cost thereof?]

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाह-नवाज खाँ): (क) जी, नहीं।

(ख) सवाल नहीं उठता।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.]

श्री राम सहाय : क्या मैं यह जान सकूंगा कि भारत में कहीं किसी दूसरी जगह भी इस प्रकार की कोई स्कीम आपके जेरे गौर है ?

श्री शाहनवाज खाँ : जी, हमारे तो कोई ऐसी स्कीम जेरे गौर नहीं है लेकिन कभी कभी अखबारों में पढ़ते हैं कि कलकत्ता और बम्बई में कुछ स्कीमों पर स्टेट गवर्नमेंट्स विचार कर रही हैं।

भारत को आने वाली गाड़ी पर पाकिस्तानी उपद्रवकारियों द्वारा हमला

*४५. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ पाकिस्तानी उपद्रवकारियों ने पिछले अप्रैल मास में अल्पमत के यात्रियों से भरी हुई भारत आने वाली एक रेलगाड़ी को रोक कर यात्रियों के ऊपर हमला कर दिया था ;

(ख) यदि हां, तो घटना का विवरण क्या है और इस घटना में कितने व्यक्ति घायल हुए और कितने मारे गये ;

(ग) यह रेलगाड़ी किस स्थान पर भारतीय सीमा में आने को थी और क्या कोई भारतीय कर्मचारी इसमें यात्रा कर रहे थे ; और

(घ) इस लाइन पर भारतीय तथा पाकिस्तानी गाड़ियों का सम्बन्ध किस प्रकार स्थापित रहता है और क्या दोनों देशों की ओर से इस सम्बन्ध में कोई सम्मिलित व्यवस्था रहती है ; और यदि हां, तो क्या ?

†[ATTACK BY PAKISTANI MISCREANTS ON INDIAN BOUND TRAIN

*45. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that some Pakistani miscreants stopped an India-bound railway train, full of persons belonging to the minority community, in the month of April last and attacked the passengers;

(b) if so, what are the details of the incident and how many persons were injured and how many were killed in the incident;

(c) the place at which the train was to enter the Indian territory and whether any Indian officials were travelling in the said train; and

(d) how the connection between Indian and Pakistani railway trains is maintained on that line and whether there is any joint arrangement by the two countries in this regard; and if so what is that arrangement?]

रेल मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाहनवाज खाँ) : (क) और (ख) इस सम्बन्ध में आप का ध्यान प्रधान मंत्री के उस बयान की ओर दिलाया जाता है, जो उन्होंने ११-५-६२ को राज्य सभा में दिया था।

(ग) ब्यौरा उपलब्ध नहीं है।

(घ) दोनों देशों के बीच, वर्तमान संयुक्त व्यवस्था के अनुसार, इस समय रोजाना पूर्वी पाकिस्तान से भारत और भारत से पूर्वी पाकिस्तान, एक-एक सीधी सवारी गाड़ी जिन स्टेशनों के बीच चल रही है—उनका बयान राज्य सभा के पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

भारत तथा पूर्वी पाकिस्तान के बीच चलने वाली सवारी गाड़ियाँ

(क) बड़ी लाइन—

१. सियालदह (भारत)—पारबतीपुर (पाकिस्तान)

२. सियालदह (भारत)—गोलुण्डो (पाकिस्तान)

३. सियालदह (भारत)—खुलना (पाकिस्तान)

४. हल्दी बाड़ी (भारत)—पारबतीपुर (पाकिस्तान)

(ख) मीटर लाइन—

१. करीमगंज (भारत)—कुलौरा (पाकिस्तान)

२. बरसोई (भारत)—बिराल (पाकिस्तान)

३. अलीपुरद्वार जं० (भारत)—मोगलहाट (पाकिस्तान)

४. माल जं० (भारत)—बूड़ीमारी (पाकिस्तान)

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) and (b) Attention is invited to the statement of the Prime Minister in the Rajya Sabha on 11th May, 1962.

(c) Details are not available.

(d) As per existing joint arrangements between the two countries through passenger trains one each way are running daily from East Pakistan to India and vice versa between the stations, details of which are contained in a statement placed on the Table of Rajya Sabha.

STATEMENT

Passenger trains running between India and East Pakistan

(a) Broad Gauge—

1. Sealdah (India)—Parbatipur (Pakistan).

2. Sealdah (India)—Goalundo (Pakistan).

3. Sealdah (India)—Khulna (Pakistan).

4. Haldibari (India)—Parbatipur (Pakistan).

(b) Metre Gauge—

1. Kanimganj (India)—Kulaura (Pakistan).

2. Barsoi (India)—Biral (Pakistan).

3. Alipurduar Jn. (India)—Mogalhat (Pakistan).

4. Mal Jn. (India)—Burimari (Pakistan).]

श्री नवाबसिंह चौहान : आपके जवाब से कुछ ऐसा लगता है कि मौजूदा अरेंजमेंट इस तरह का है कि दो गाड़ियाँ, एक इधर से एक उधर से, आती जाती हैं। प्रश्न में जिस गाड़ी का जिक्र है, जिस पर हमला हुआ, क्या इन्हीं दो गाड़ियों में से थी या कोई और खास तरह से स्पेशल ट्रेन वहाँ से आ रही थी ?

श्री शाहनवाज खाँ : हमने मालूमात हासिल करने की कोशिश की है और जैसा कि प्राइम मिनिस्टर साहब ने अपने बयान में कहा था कि एक गाड़ी जो कि राजशाही के पास से गुजर रही थी उसके ऊपर हमला हुआ यह सुनने में आया है। उससे हमें कोई खास हालात मालूम नहीं हो सके।

श्री नवाबसिंह चौहान : मैं तो यह जानना चाहता हूँ कि क्या यह उन्हीं गाड़ियों में से है जो दोनों देशों के बीच चलती हैं। अगर उन्हीं गाड़ियों में से है तब तो आपको और आपके

अधिकारियों को मालूम होगा। जब हिन्दुस्तान की तरफ वह गाड़ी आ रही थी तो वहां से जो रिफ्यूजीज भाग कर यहां आ रहे थे उनके लिये क्या कोई खास अरेंजमेंट था? इस सिलसिले में जानकारी न होने का सबब क्या है?

श्री शाहनवाज खां : जो कोई मालूमात हमने हासिल की है उनकी बिना पर कोई खास खबर हमें नहीं मिल सकी। हमारी ईस्टर्न और नार्थ ईस्टर्न फ्रण्टियर रेलवे जो उनसे ताल्लुक रखती है उन दोनों से हमने पूछा। उनको भी इसके बारे में कोई खास इल्म नहीं है।

श्री सभापति : अगर आपकी ट्रेन में वाक्या हुआ तो आपको उसकी खबर हुई होगी।

श्री शाहनवाज खां : वह गाड़ी पाकिस्तान में थी।

श्री सभापति : लेकिन आई तो होगी यहां।

श्री शाहनवाज खां : लेकिन उस हमले की खबर नहीं की गई।

श्री नवार्बासह चौहान : प्राइम मिनिस्टर साहब ने यहां पर जो बयान दिया क्या उसकी बिना पर वहां से मालूमात कराई गई? क्या उनकी वज्जारत को, या महकमे को, इस बात को जनकारी हासिल हो सकी है कि यह ट्रेन कब आ रही थी और क्या यह पाकिस्तान की थी और कलकत्ता तक आने वाली थी और क्या उसमें अपने अधिकारी थे कि नहीं और कितने लोग उसमें मारे गये?

श्री शाहनवाज खां : मैं दरख्वास्त करूंगा कि यह सवाल मिनिस्ट्री आफ एक्स्टरनल अफेयर्स से पूछा जाय।

SHRI A. B. VAJPAYEE: On a point of order, Sir. Government functions under the principle of joint responsibility. The hon. Railway Minister is not justified in saying that this ques-

tion be put to the External Affairs Ministry. It is for him to obtain the necessary information from them. He has not denied that members of the minority community were attacked in a railway train. May I know, Sir, why our Deputy High Commissioner in Dacca has not been approached to give correct information in this regard?

सरदार स्वर्ण सिंह : इसके मुताल्लिक दरियाफ्त किया गया। जहां तक पता लग सका है, इत्तलात दे दी गई हैं। उससे ज्यादा कुछ पता नहीं लग सका है।

SHRI A. B. VAJPAYEE: I have put a specific question whether our Deputy High Commissioner at Dacca has been instructed to obtain information in this regard.

SARDAR SWARAN SINGH: The Deputy High Commissioner at Dacca is supposed to supply information on this and had some instructions. In spite of his best efforts the maximum information that has been obtained has already been supplied.

شری اے - اہم طابق : میں وزیر

ریل سے یہ جاننا چاہتا ہوں کہ جو بلیدی بات اس سوال میں ہے وہ یہ ہے کہ یہ ریل جس پر حملہ ہوا حکومت ہندوستان کی ملکیت تھی یا حکومت پاکستان کی ملکیت؟ اگر یہ حکومت ہندوستان کی ملکیت تھی تو ڈیفینس ہمارے افسر یا گارڈ اس میں سفر کر رہے ہوں گے اور ہم کو ان سے اطلاع لینی چاہئے تھی۔ اگر یہ ریل حکومت پاکستان کی ملکیت ہے تو ریلوے منسٹری کو اس سوال کو ایڈمٹ کرنے کا سوال ہی پیدا نہیں ہوتا اور اس کو ایگزٹرنل منسٹری کو جاننا چاہیئے تھا۔ گو یہ ریل ہماری ہے تو ریلوے منسٹری کو اس کی معلومات ہونی چاہئے۔

†[**श्री ए० एम० तारिख** : मैं बजीर रेल से यह जानना चाहता हूँ कि जो बुनियादी बात इस सवाल में है वह यह है कि ये रेल जिस पर हमला हुआ हुकूमते हिन्दुस्तान की मिल्कियत थी या हुकूमते पाकिस्तान की मिल्कियत ? अगर यह हुकूमते हिन्दोस्तान की मिल्कियत थी तो डेफिनेटली हमारे अफसर या गार्ड उसमें सफर कर रहे होंगे और हमको उनसे इत्तिला लेनी चाहिये थी । अगर यह रेल हुकूमते पाकिस्तान की मिल्कियत है तो रेलवे मिनिस्ट्री को इस सवाल को एडमिट करने का सवाल ही पैदा नहीं होता और इस को एक्सटर्नल मिनिस्ट्री को जाना चाहिये था । अगर यह रेल हमारी है तो रेलवे मिनिस्ट्री को इसकी मालूमात होनी चाहिए ।]

श्री शाहनवाज खाँ : जो गाड़ियाँ हिन्दुस्तान और पाकिस्तान के दरमियान चलती हैं उनमें से कुछ गाड़ियाँ पाकिस्तान की होती हैं जो हिन्दुस्तान की तरफ से आती हैं और उनके कूज उसी के साथ आते हैं । कुछ गाड़ियाँ हमारी होती हैं जिनमें हमारे कूज पाकिस्तान तक जाते हैं । यह गाड़ी पाकिस्तान की गाड़ी थी और उसमें पाकिस्तान के कूज थे ।

SHRI A. D. MANI: Am I to understand that the Indian Railways or rather, the Railway Board, did not address any representation to the Pakistan Railways about this matter, but let this matter be handled by the External Affairs Ministry?

SARDAR SWARAN SINGH: This matter has been handled by the External Affairs Ministry and rightly so.

SHRI BHUPESH GUPTA: How does he say 'rightly'? Undoubtedly in relation to the two States, the External Affairs Ministry comes in. But then this is a question of bringing in or transporting people and when there are certain arrangements with regard to the adjustments of railway trains and so on, why did not the Railways also take the initiative in this matter?

SARDAR SWARAN SINGH: It was not necessary. Whatever was the information that was available, that has been supplied to the hon. Member.

SHRI A. B. VAJPAYEE: What is the use of saying it was not necessary, when the train was actually attacked and members of the minority community were butchered? Why did not the Railways obtain the information? How can the hon. Minister say it was not necessary?

MR. CHAIRMAN: He means it was not necessary for the Railway Ministry, since the information was obtained otherwise.

SHRI A. B. VAJPAYEE: But so far as the External Affairs Ministry was concerned, they were not able to give the full information.

SARDAR SWARAN SINGH: As for the External Affairs Ministry, whatever information they had, that has already been supplied by the Prime Minister to this honourable House. And we should remember that with regard to the happenings in Pakistan, we cannot always get correct information in the form in which we want, howsoever uncomfortable or difficult the position may be. It is not unknown to the hon. Members that there are very real difficulties on such occasions to get precise and correct information, and this is not an isolated case.

मंडी क्षेत्र में कृषि आदि का विकास

*४६. **श्री नवाबसिंह चौहान** : क्या लाख तथा कृषि मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत सरकार तथा पश्चिमी जर्मन सरकार के आपसी सहयोग से हिमाचल प्रदेश के मन्डी क्षेत्र में कृषि, बागबानी पशुपालन तथा डेरी फार्मिंग के विकास के लिये एक योजना बनाई जा रही है ; और